CLASS: III
SESSION NO : 1
SUBJECT : (HINDI)
CHAPTER NAME : अहिंसा के दूत
SUB – TOPIC – प्रस्तावना, आदर्श पठन तथा विश्लेषण

सीखने का उद्देश्य:

पठन के उपरांत शुद्ध उच्चारण का विकास होना

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पुनरावृति कार्य

प्रस्तावना

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

अहिंसा के दूत

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

नम्रता की चरम सीमा का नाम ही अहिंसा है। यह भाव हमें संसार के सभी प्राणियों से प्रेम करने की प्रेरणा देता है।

बचपन से ही मोहनदास गांधी जी को पेड़ों पर चढ़ने का शौक था। पिता जी मना करते थे। उन्हें डर लगता था कि कहीं मोहन को पेड़ से गिरकर चोट न लग जाए। पिता जी के बार-बार मना करने पर भी, बालक मोहन उनकी नज़र बचाकर पेड़ों की टहनियों पर उछल-कूद किए बिना न रहते थे।

एक दिन लुक-छिपकर मोहन पेड़ पर चढ़ गए। उनके बड़े भाई ने कमरे की खिड़की से उन्हें पेड़ पर

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

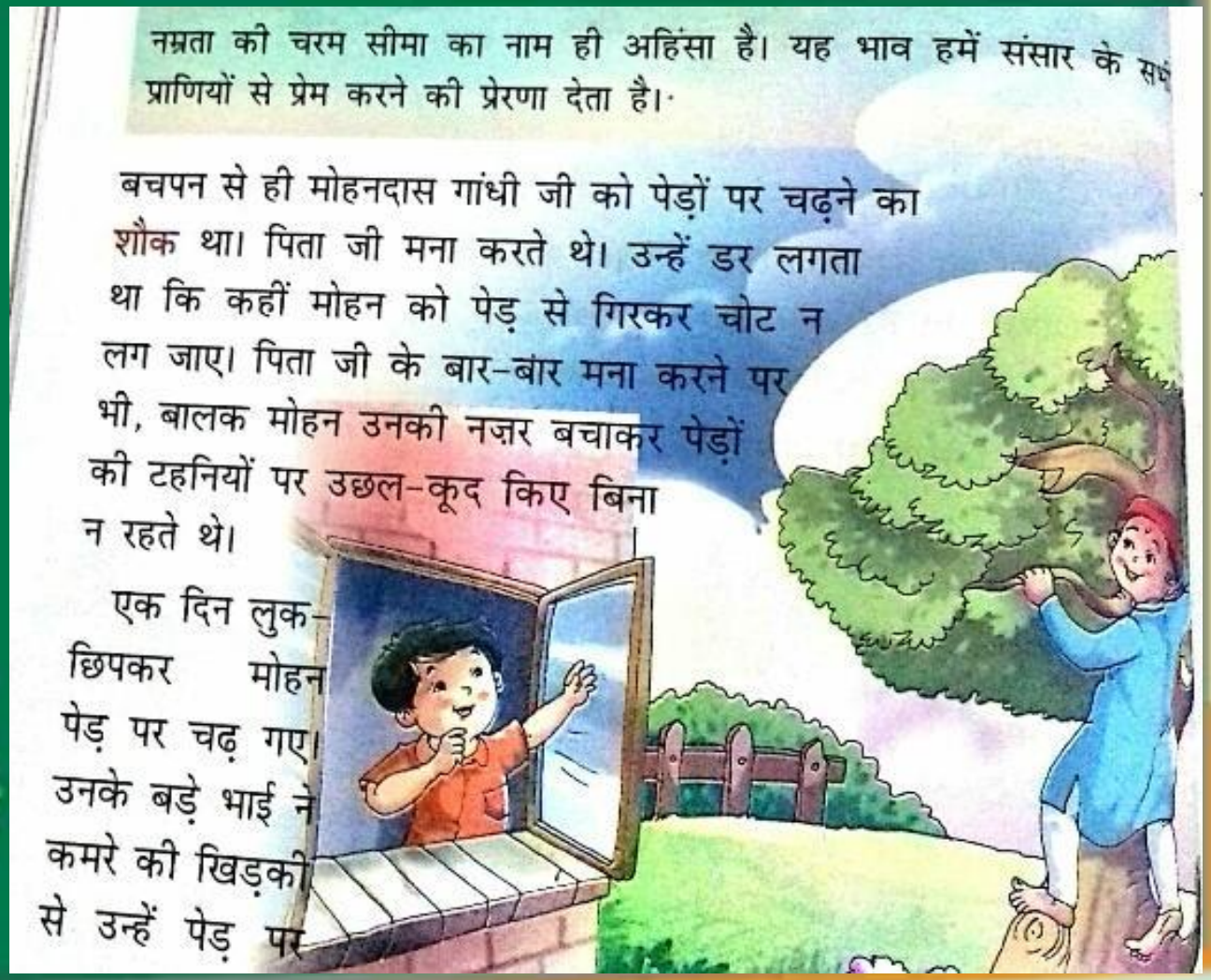

चढ़ते देख लिया। पेड़ पर चढ़ते मोहन की टाँग खींचकर भाई ने मोहन को ज़मीन पर गिरा दिया। अधिक चोट तो नहीं लगी पर कुछ खरोंचे उनके शरीर पर अवश्य आ गईं। मोहन उठकर जैसे ही खड़े हुए, बड़े भाई ने उनके मुँह पर तमाचा मारते हुए कहा—"क्यों रे, मोहन! कितनी बार कहा है कि पेड़ पर नहीं चढ़ना।"

मोहन ने रोते हुए माँ से कहा—"देखो माँ, बड़े भाई ने हमें मारा है।"

माँ ने पूछा—"तुमने कोई शरारत की होगी?"

मोहन ने कहा—"शरारत नहीं की, बस पेड़ पर चढ़कर हवा का आनंद ले रहा था।"

माँ ने कहा—"तुम्हारा मतलब है भाई ने तुम्हें बेवजह मारा है। तुम भी जाकर उसे मारो।"

यह सुनकर मोहन उदास हो गया और कहा—"माँ, वे मुझसे बड़े हैं। आप मुझे बड़ों को मारना क्यों सिखाती हो?"

माँ ने कहा—"बेटा, भाइयों में तो ऐसी नोक-झोंक होती ही रहती है।"

"नहीं माँ, मैं भैया के तमाचे का जवाब तमाचे से नहीं दे सकता। आप मारने वाले को नहीं रोकती, मुझे मारना सिखाती हो।"

माँ ने बालक गांधी को गोद में भरकर कहा—"तुम्हें ऐसे जवाब कहाँ से सूझते हैं, रे मोहन?"

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

गांधी जी के बचपन की यह घटना हमें सिखाती है कि हिंसा का बदला हिंसा से नहीं बल्कि अहिंसा से भी लिया जा सकता है। गांधी जी मन वचन और कर्म से जीवन भर इसी सिद्धांत का पालन करते रहे। भारत के इतिहास में उन्हें 'अहिंसा के पुजारी' या 'अहिंसा के अवतार' नाम से याद किया जाता है।

जीवन-सूत्र

- मनुष्य क्रोध को प्रेम से, पाप को सदाचार से, लाभ को दान से और मिथ्या भाषण को सत्य से जीत सकेगा।

—गौतम बुद्ध

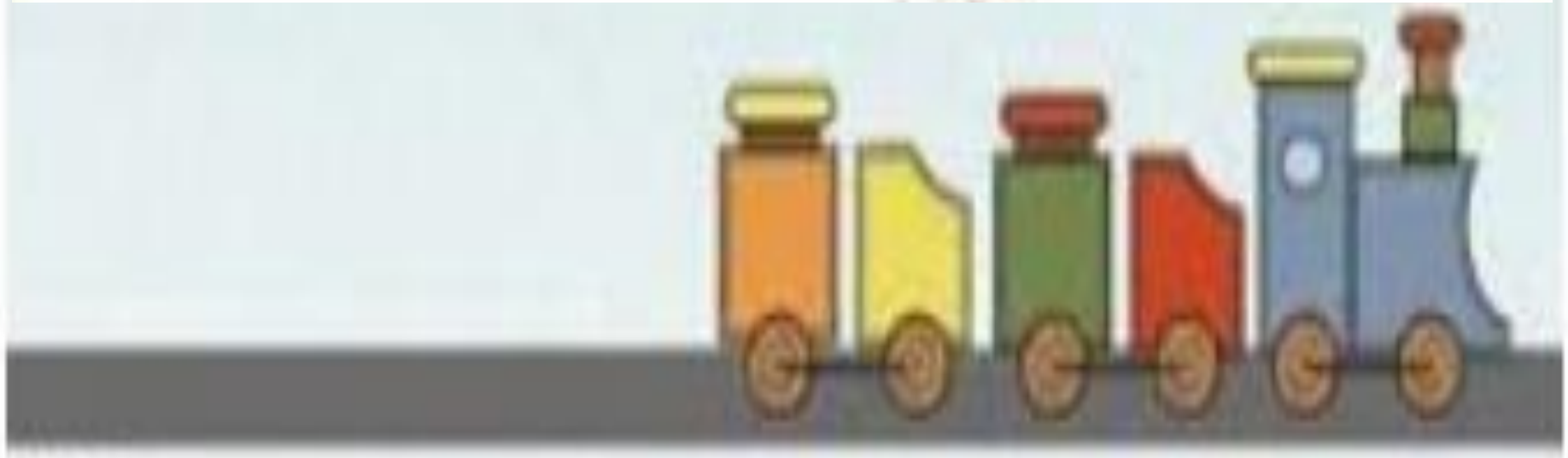

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

गृह कार्य

गांधी जी के बताए हुए कोई पाँच अहिंसा के अनमोल वचनों को कक्षा कार्य कॉपी में लिखें तथा उन सारे वचनों को अपने दोस्तों को बताना ताकि हम अपने जीवन को एक आदर्श जीवन बना सके

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

अध्ययन के परिणाम

कहानी पठन के बाद बच्चों मैं नैतिक मूल्यों का विकास हो पाएगा।

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow